दिनांक 09.06.2025 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न समीक्षा बैठक की कार्यवृत्त–

दिनांक 09.06.2025 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल जीवन मिशन फेज–2, फेज–3 व फेज–5 से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में की गई। जिसमें निम्न अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे–

1. मुख्य विकास अधिकारी, सिद्धार्थनगर।
2. श्री संजय कुमार जायसवाल, अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
3. श्री उमेश चौधरी, सहायक अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
4. श्री प्रकाश कुसुमा, ए0जी0एम0 मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रा0लि0, सिद्धार्थनगर।
5. श्री सुरेश चौधरी, प्रोजेक्ट मैनेजर, (जे0वी0), सिद्धार्थनगर।
6. श्री गणेश प्रसाद, जैक्सन विश्वराज (जे0वी0), सिद्धार्थनगर।
7. श्री चंद्रशेखर, डी0पी0एम0, टी0पी0आई0, सिद्धार्थनगर।

जल जीवन मिशन के कार्यों हेतु तैनात कार्यदायी फर्मों की समीक्षा निम्नानुसार किया गया।

1. **कार्यदायी फर्म (मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० लि०, हैदराबाद)**

- जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत मेघा इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लि, हैदराबाद को फेज–2 के अन्तर्गत कुल 459 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते हुए 176 डी0पी0आर0 के माध्यम से संतृप्त किया जाना था। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 176 योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को सभी 176 परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्ध करा दिया गया है तथा फर्म द्वारा इन सभी पर ट्यूबवेल ड्रिलिंग का कार्य भी कर लिया गया है। अपितु फर्म द्वारा कतिपय कार्यस्थलों पर बीच–बीच में कार्य बंद किए जाने पर, पुनः भूमि विवाद उत्पन्न हो जा रहा है। जिसके निस्तारण हेतु तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है।
- अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्ण करने की निर्धारित तिथि 02 दिसम्बर 2022 थी तथा द्वितीय समयवृद्धि के उपरांत 30 दिसम्बर 2024 निर्धारित है। परंतु फर्म द्वारा तृतीय समयवृद्धि दिनांक 30.06.2025 तक के लिए आवेदन किया गया है, जो कि निर्णय हेतु अधिशासी अभियंता द्वारा अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को प्रेषित है।
- कम्पोनेंट–वार प्रगति समीक्षा में पाया गया कि पम्प हाउस एवं ओवरहेड टैंक की प्रगति अत्यंत कम है। 212 स्वीकृत पम्प हाउस के सापेक्ष 196 पूर्ण हैं। इसी प्रकार 185 स्वीकृत ओवरहेड टैंक के सापेक्ष अभी तक 69 का कार्य पूर्ण है, परंतु मात्र 18 टैंक से जलापूर्ति की जा रही है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म द्वारा प्रतिदिन औसत 600 मैनपावर लगाया गया है। जबकि 185 परियोजनाओं के ओवरहेड टैंक पर समानांतर कार्य करने हेतु न्यूनतम 1050 मैनपावर लगाया जाना आवश्यक है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को विगत डेढ़ वर्ष पूर्व से ही प्री–कास्ट ओवर हेड टैंक निर्माण हेतु निर्देशित किया जाता रहा है। परंतु अभी तक 3 परियोजना (इमिलिया पेयजल योजना, वि०ख०–बढ़नी, भडेहर ग्रांट, वि०ख०–नौगढ़ एवं महुलानी, वि0ख0 खेसरहा) पर प्री–कास्ट ओवर हेड टैंक निर्माण कार्य किया गया है, इस पर परियोजना प्रबंधक, मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० द्वारा बताया गया कि फर्म द्वारा 137 परियोजनाओं पर जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलम्ब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।
- अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० पर कुल 7 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

➢ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि फर्म को आवंटित कुल 459 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष अभी तक 434 राजस्व ग्रामों में सड़कों का शत प्रतिशत मरम्मत कार्य पूर्ण है, जिसका टी०पी०आई० द्वारा सत्यापन कराकर पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। शेष ग्रामों में मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से IGRS / JJM Grievance Portal पर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। फर्म को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों के सापेक्ष तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करें तथा इस हेतु प्रत्येक विकास खण्ड हेतु अलग-अलग मोबाईल टीम बनाएं।

➢ कार्यदायी फर्म मेघा के PM द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 19.05.2025 को अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया था कि अगले 20 दिवस के अन्दर 6 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 4 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी तथा पूर्ण चार नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। परन्तु फर्म मेघा द्वारा 9 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया तथा 0 योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है एवं 0 नग योजना को Operation and maintance में सम्मिलित किया गया है। जिस सम्बन्ध में अधोस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया कार्यदायी फर्म मेघा के PM द्वारा बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया है कि अगले 20 दिवस के अन्दर 6 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 3 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी एवं इसी माह में तीन नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा शिरोपरि जलाशय के निर्माण में काफी कमी होने के कारण रोष व्यक्त किया गया एवं साथ ही कम प्रगति के सम्बन्ध में अवगत होना चाहें जिस सम्बन्ध में मैसर्स मेघा के ए०जी०एम० द्वारा अवगत कराया गया कि 120 नग योजनाओं पर Roof Top का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसके सापेक्ष 68 नग परियोजनाओं पर जिंक एरेक्शन टाईप शिरोपरि जलाशय के का कार्य पूर्ण है, शेष 52 नग योजनाओं के निर्माण हेतु वर्तमान में दो टीम कार्य कर रही हैं जिसे माह अगस्त 2025 तक मेघा इंजीनियरिंग को आवंटित समस्त योजनाओं को पूर्ण कर दिया जायेगा।

➢ परियोजनाओं की कम्पोनेन्ट-वार प्रगति निम्नानुसार है-

Sr. No	Component	UOM	Target	Progress: Completed Total	Progress: Work in progress	Progress: Un started	Progress %: Completed	Progress %: Work in progress	Progress %: Un started
1	TUBEWELL	Nos.	212	210	2	0	99.05	0.95	0.00
2	PUMP HOUSE	Nos.	212	196	14	2	92.45	6.60	0.94
3	PIPELINE	KM	1628	1624	0	04	99.75	0	0.25
4	OVERHEAD TANK	Nos.	185	69	116	0	37.30	62.70	0.00
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	78131	78112	-	19	99.98	-	0.02
A	Direct water supply	Schemes	176	137			77.84%		
B	100 % commissioning	Schemes	176	18			10.23%		
5	Road Reinstatement	KM	Total Dismantling qty- 512	Total Reinstatement Done- 477.79 Km			Progress- 93.32 %		

➢ फर्म द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष कार्य की प्रगति में कोई सुधार नही किया जा रहा हैं हर महीने में मात्र 2 से 3 ही शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण हो पा रहा है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि फर्म द्वारा तय समय-सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कर पाना सम्भव नही होगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा आदेशित किया गया कि उचित मैन पावर लगाते हुए योजनाओं के समस्त कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

➢ कार्यादायी फर्म- मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा०, हैदराबाद की अत्यंत धीमी प्रगति एवं पर्याप्त मैनपावर नहीं होने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के ए०जी०एम० को निर्देशित किया गया कि उचित मैनपावर बढ़ाते हुए समयानान्तर्गत पेयजल योजनाओं के समस्त कार्य पूर्ण करायें ।

Scanned with OKEN Scanner

2. कार्यदायी फर्म (वी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद)

- जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत वी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद को फेज- 3 के अन्तर्गत कुल 525 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते हुए 163 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना था। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 157 योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को सभी 160 परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्ध करा दिया गया है तथा फर्म द्वारा इन सभी पर ट्यूबवेल ड्रिलिंग का कार्य भी कर लिया गया है। अपितु फर्म द्वारा कतिपय कार्यस्थलों पर बीच–बीच में कार्य बंद किए जाने पर, पुनः भूमि विवाद उत्पन्न हो जा रहा है। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि शेष परियोजनाओं पर भूमि विवाद अथवा अनुपलब्धता के कारण कार्य अनारंभ है। भूमि विवाद निस्तारण हेतु नियमित तौर पर संबंधित तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है।
- कम्पोनेंट–वार प्रगति समीक्षा में पाया गया कि पम्प हाउस एवं ओवरहेड टैंक की प्रगति अत्यंत कम है। 184 स्वीकृत पम्प हाउस के सापेक्ष 172 पूर्ण हैं । इसी प्रकार 168 स्वीकृत ओवरहेड टैंक के सापेक्ष अभी तक 55 का कार्य पूर्ण है, परंतु मात्र 15 टैंक से जलापूर्ति की जा रही है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म द्वारा प्रतिदिन औसत 686 मैनपावर लगाया गया है। जबकि 163 परियोजनाओं के ओवरहेड टैंक पर समानांतर कार्य करने हेतु न्यूनतम 950 मैनपावर लगाया जाना आवश्यक है।
- फर्म द्वारा 99 परियोजनाओं पर जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलम्ब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।
- अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से वी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद पर कुल 3 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।
- अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि फर्म को आवंटित कुल 525 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष अभी तक 404 राजस्व ग्रामों में सड़कों का शत प्रतिशत मरम्मत कार्य पूर्ण है, जिसका टी०पी०आई० द्वारा सत्यापन कराकर पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। शेष ग्रामों में मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से IGRS / JJM Grievance Portal पर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। फर्म को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों के सापेक्ष तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक विकास खण्ड हेतु अलग–अलग मोबाईल टीम बनाएं।
- कार्यदायी फर्म वी.एस.ए–एस.सी.एल के PM द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 19.05.2025 को अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया था कि अगले 20 दिवस के अन्दर 4 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 4 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी तथा पूर्ण दो नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। परन्तु फर्म वी0एस0ए0 द्वारा मात्र 5 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया एवं 4 योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है एवं Operation and maintance में किसी भी योजना को सम्मिलित नही किया गया है। जिस सम्बन्ध में अधोस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया कार्यदायी फर्म वी.एस.ए–एस.सी.एल के PM द्वारा बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया है कि अगले 20 दिवस के अन्दर 4 (3 जिंक एलम एवं 1 आर0सी0सी0) शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 4 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी एवं इसी माह में एक नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा शिरोपरि जलाशय के निर्माण में काफी कमी होने

Scanned with OKEN Scanner

के कारण रोष व्यक्त किया गया एवं साथ ही कम प्रगति के सम्बन्ध में अवगत होना चाहें जिस सम्बन्ध में मैसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 के पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि 81 नग योजनाओं पर Roof Top का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसके सापेक्ष 42 नग परियोजनाओं पर जिंक एरेक्शन टाईप शिरोपरि जलाशय के का कार्य पूर्ण है, शेष 39 नग योजनाओं के निर्माण हेतु वर्तमान में दो टीम कार्य कर रही है जिसे माह सितम्बर–2025 तक वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 को आवंटित समस्त योजनाओं को पूर्ण कर दिया जायेगा।

➢ परियोजनाओं की कम्पोनेन्ट–वार प्रगति निम्नानुसार है–

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Un started	Completed	Work in progress	Un started
1	TUBEWELL	Nos.	184	182	0	2	98.91	0	1.09
2	PUMP HOUSE	Nos.	184	172	9	3	93.48	4.89	1.63
3	PIPELINE	KM	1620	1608	0	12	99.26	0	0.74
4	OVERHEAD TANK	Nos.	163	55	103	5	33.74	63.19	3.07
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	71541	70996	-	545	99.24	-	0.76
A	Direct water supply	Schemes	163	99			60.74%		
B	100 % commissioning	Schemes	163	15			9.20%		
5	Road Reinstatement	KM	Total Dismantling qty- 600	Total Reinstatement Done- 588 Km			Progress- 98.00 %		

➢ कार्यदायी फर्म– वी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद की अत्यंत धीमी प्रगति एवं पर्याप्त मैनपावर नहीं होने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि उचित मैनपावर बढ़ाते हुए समयानान्तर्गत पेयजल योजनाओं के समस्त कार्य पूर्ण करायें ।

➢ फर्म द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष कार्य की प्रगति में कोई सुधार नही किया जा रहा हैं हर महीने में मात्र 3 से 4 ही शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण हो पा रहा है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि फर्म द्वारा तय समय–सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कर पाना सम्भव नही होगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा आदेशित किया गया कि उचित मैन पावर लगाते हुए योजनाओं के समस्त कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

3. कार्यदायी फर्म (जैक्सन–विश्वराज जे0वी0, नई दिल्ली)

➢ जल जीवन मिशन फेज–5 के अन्तर्गत चयनित फर्म जैक्शन– विश्वराज (ज्वाइंट वेन्चर), नई दिल्ली को कुल 1083 राजस्व ग्राम आवंटित है, जिसके सापेक्ष 1083 राजस्व ग्रामों को सम्मिलित करते हुए 423 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना है।

➢ 423 परियोजनाओं मे कुल 440 ट्यूबवेल का कार्य स्वीकृत है। जिसके सापेक्ष 403 ट्यूबवेल का कार्य कर लिया गया है। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि शेष परियोजनाओं पर भूमि विवाद अथवा अनुपलब्धता के कारण कार्य अनारंभ है। भूमि विवाद निस्तारण हेतु नियमित तौर पर संबंधित तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है। निर्देशित किया गया कि भूमि प्रकरणों के निस्तारण के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा अगली बैठक में भूमि संबंधी विवाद निस्तारण का आश्वासन दिया गया ।

Scanned with OKEN Scanner

➤ परियोजनाओं की कम्पोनेन्ट–वार प्रगति निम्नानुसार है–

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Un started	Completed	Work in progress	Un started
1	TUBEWELL	Nos.	440	403	0	37	91.59	0	8.41
2	PUMP HOUSE	Nos.	440	169	245	26	38.41	55.68	5.91
3	PIPELINE	KM	4435	4239	0	196	95.58	0	4.42
4	OVERHEAD TANK	Nos.	424	38	381	5	8.96	89.86	1.18
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	156321	120606	-	35715	77.15	-	22.85
A	Direct water supply	Schemes	424	185			43.63%		
B	100 % commissioning	Schemes	424	28			6.60%		
5	Road Reinstatement	KM	Total Dismantling qty- 2828	Total Reinstatement Done- 2741 Km			Progress- 97.00 %		

➤ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि फर्म को आवंटित कुल 1083 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष अभी तक 592 राजस्व ग्रामों में सड़कों का शत प्रतिशत मरम्मत कार्य पूर्ण है, जिसका टी०पी०आई० द्वारा सत्यापन कराकर पोर्टल पर अपडेट कर दिया गया है। शेष ग्रामों में मरम्मत कार्य पूर्ण नहीं होने की वजह से IGRS / JJM Grievance Portal पर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

➤ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से जैक्शन– विश्वराज (ज्वाइंट वेन्चर) पर कुल 6 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।

➤ कार्यदायी फर्म जैक्शन– विश्वराज के PM द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 19.05.2025 को अधोहस्ताक्षरी को अश्वस्त: किया गया था कि अगले 20 दिवस के अन्दर 5 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 6 परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी जिसके सापेक्ष फर्म जैक्शन–विश्वराज (ज्वाइंट वेन्चर) द्वारा 3 शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण किया गया एवं 6 योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है। तथा पूर्ण एक नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। एवं Operation and maintance में किसी भी योजना को सम्मिलित नही किया गया है। कार्यदायी फर्म जेक्शन के PM द्वारा बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अश्वस्त: किया गया है कि अगले 20 दिवस के अन्दर 5 (4 जिंक एल्म एवं 1 आर0सी0सी0) का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा एवं 8 परियोजनाओं पर नियमित्त जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी एवं इसी माह में एक नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा शिरोपरि जलाशय के निर्माण में काफी कमी होने के कारण रोष व्यक्त किया गया एवं साथ ही कम प्रगति के सम्बन्ध में अवगत होना चाहें जिस सम्बन्ध में फर्म जैक्शन–विश्वराज के पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि 91 नग योजनाओं पर Roof Top का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसके सापेक्ष 40 नग परियोजनाओं पर जिंक एरेक्शन टाईप शिरोपरि जलाशय के का कार्य पूर्ण है, शेष 51 नग योजनाओं के निर्माण हेतु वर्तमान में तीन टीम कार्य कर रही हैं जिसे माह दिसम्बर–2025 तक फर्म जैक्शन–विश्वराज को आवंटित समस्त योजनाओं को पूर्ण कर दिया जायेगा।

Scanned with OKEN Scanner

- फर्म द्वारा 178 परियोजनाओं पर डायरेक्ट ट्यूबवेल से जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलंब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।
- कार्यदायी फर्म जैक्शन–विश्वराज के पी०एम० द्वारा बताया गया कि 31 परियोजनाओं पर भूमि विवाद के कारण कार्य शुरू नही हो पाया, की बात कही गई। जिसपर अधोहस्ताक्षरी महोदय द्वारा अगली बैठक में निराकरण कराने के लिए आश्वासन दिया गया। 20 नग पम्प हाऊस पर LOW LAND के कारण कार्य प्रारम्भ नही किया जा सका। जिसकी रि–डिजाइनिंग की प्रक्रिया प्रोसेस में है शीघ्र ही प्रक्रिया पूर्ण होने पर कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा ।
- फर्म द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष कार्य की प्रगति में कोई सुधार नही किया जा रहा हैं हर महीने में मात्र 2 से 3 ही शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण हो पा रहा है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि फर्म द्वारा तय समय–सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कर पाना सम्भव नही होगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा आदेशित किया गया कि उचित मैन पावर लगाते हुए योजनाओं के समस्त कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि अपनी योजना से सम्बन्धित सहायक अभियन्ता एवं जूनियर इंजीनियर को निर्देशित कर मानक के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें एवं साथ ही तीनों फर्मो को यह भी निर्देश दिया गया है कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पूर्ण योजनाओं से नियमित जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें एवं निर्माणाधीन योजनाओं का कार्य शीघ्र पूर्ण करते हुए ग्रामीणवासियों को नियमति जलापूर्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। नियमित जलापूर्ति वाले योजनाओं के बाहर ग्रामीणों को प्रदर्शित एक बोर्ड पर योजना के पी०एम० का नाम एवं मोबाईल नं० तथा अधिशासी अभियन्ता जल निगम मोबाईल नं० अंकित करें जिससे ग्रीष्म ऋतु में योजना पर किसी भी प्रकार की कोई समस्या होने पर ग्रामीण आपसे सम्पर्क कर सकें और समयान्तर्गत उसका निस्तारण किया जा सके। इसमें किसी भी प्रकार की सिथिलता क्षम्य नही है। साथ ही तीनों फर्मो के पी०एम० को यह निर्देश दिया गया कि जिन योजनाओं के शिरोपरि जलाशय के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है उन योजनाओं के समस्त कार्य कार्य पूर्ण करते हुए उन योजनाओं को Operation and maintance में ले जाना सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियन्ता एवं टी०पी०आई० को निर्देशित किया गया है कि टैंक के निर्माण की गुणवत्ता में कोई कमी न होने पाये किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध उचित कार्यवाही की जायेगी।

(डा० राजागणपति आर०)
जिलाधिकारी

कार्यालय जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर।

दिनांक– 24-6-2025

पत्रांक– 811 / एस०-15 / 25

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. अपर मुख्य सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी, लखनऊ।
2. प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ.प्र. शासन, लखनऊ ।
3. मंडलायुक्त, बस्ती मण्डल को सादर अवलोकनार्थ ।
4. मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर।
5. अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
6. पी०एम०, मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० लि० ।
7. पी०एम०, वी०एस०ए० एस०सी०एल० (जे०वी०) ।
8. पी०एम०, जैक्सन–विश्वराज (जे०वी०)।
9. डी०पी०एम०, थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन एजेंसी, जल जीवन मिशन, सिद्धार्थनगर।

24/6/25

जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर।

Scanned with OKEN Scanner